राखी की रक्षा के लिए अलौकिक सौगात – 16 श्रृंगार

1. चिन्दी : चन्दन समान खुशबू फैलाने वाली चन्दन की चिन्दी।

2. तिलक : स्व-स्मृति वा पदमापदम भाग्य का मस्तक पर तिलक।

3. ताज : पवित्रता की लाईट और बेहद सेवा की जिम्मेवारी का ताज।

4. काजल : सदा रूहानियत वा भाई-भाई की स्मृति का नयनों में काजल।

5. कुण्डल : सदा तुम्हीं से सुनँ, तुम्हारा ही सुनँ, इस प्रतिज्ञा के कानों में कुण्डल।

6. नथनी : एक बाप दूसरा न कोई, इस स्मृति की नाक में नथनी।

7. चमक : सूरत में बापदादा की सीरत का साक्षात्कार कराने वाली रूहानी चमक।

8. लाली : होठों पर मधुर बोल वा मुस्कराहट की लाली।

9. माला : विजयी रतन बनने की गले में वैजयन्ती माला।

10. अंगूठी : माया की ग्रहचारी से बचने के लिए अष्ट शक्तियों की अंगूठी।

11. कंगन : पवित्रता की प्रतिज्ञा का हाथों में कंगन।

12. बाजूबंद : सदा मददगार वा सेवाधारी रहने का बाजूबंद।

13. करधनी : कमर में दृढ़ता अथवा दृढ़ संकल्प की करधनी।

14. पायल : खुशियों में सदा नाचने की निशानी - पांव में घुँघरू वा पायल।

15. बिछुए : कदम के पीछे कदम रखने वा सदा श्रीमत पर चलने के बिछुए।

16. ड्रेस : सदा दिव्य गुणों से सम्पन्न चमकीली फरिश्ता ड्रेस।